बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गोहाना, वायरल सच (अनिल जिंदल) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में आज से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हो गया है । कार्यशाला का विषय राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्रीः मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण है। कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक कर रही है । कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में अपने संदेश में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती हैं। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। कार्यशाला में बतौर मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आर सी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में

मदद करता है, कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लेकर इसे राष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान किया। प्रतिभागियों ने राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक को समझा। उन्होंने कहा कि यह तीन दिवसीय कार्यशाला शैक्षणिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण रहने वाली है ।कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व की गहन समझ प्रदान करने के साथ-साथ शोध और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम का मंच संचालन आशु सोमया ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शीतल द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग रहा।

बीपीएसएमवी में 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' का आयोजन

जन जागरण संदेश

खानपुर कलां / गोहाना,(अनिल जिंदल), 29 अगस्त 2025। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (बीपीएसएमवी) में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' का सफल आयोजन किया गया। मुख्य परिसर में यह दौड़ दोपहर भगत फूल सिंह जी की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।प्रो यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों का उत्साह वास्तव में प्रेरणादायी है और हम सभी इस मिशन को आगे भी पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएँगे। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने संदेश में कहा कि 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी यह दौड़ आयोजित की गई, जहाँ छात्राओं ने उत्साह और जोश के साथ भाग लेकर नशामुक्त समाज का सशक्त संदेश दिया। एनसीओआरडी के प्रतिनिधियों प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका ने कहा कि नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा शक्ति जागरूकता की मशाल अपने हाथों में लेगी। इस अवसर पर बीपीएसएमवी ने शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व को जोड़ते हुए यह संदेश दिया कि सामूहिक संकल्प ही समाज को नशामुक्त बना सकता है। इस दौड़ में सभी विभागों के छात्राएं शामिल रही ।

प्रो. आर सी ठाकरान का स्वागत करते विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

गोहाना, 29 अगस्त (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में आज से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक की अध्यक्षता किया गया। कार्यशाला का विषय राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्री: मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण रहा। कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में अपने संदेश में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती हैं। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आर सी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है । डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लेकर इसे राष्ट्रीय स्तर का स्वरूप प्रदान किया। मंच संचालन आशु सोमया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शीतल द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग रहा।

हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते शिवालिक यादव ।

बीपीएसएमवी में 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' का आयोजन

गोहाना, 29 अगस्त (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (बीपीएसएमवी) में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' का सफल आयोजन किया गया। मुख्य परिसर में यह दौड़ दोपहर भगत फूल सिंह की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया प्रो यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों का उत्साह वास्तव में प्रेरणादायी है और हम सभी इस मिशन को आगे भी पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने संदेश में कहा कि 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है इसी क्रम में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भी यह दौड़ आयोजित की गई । एनसीओआरडी के प्रतिनिधियों प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका ने कहा कि नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा शक्ति जागरूकता की मशाल अपने हाथों में लेगी।

'ड्रग-फ्री इंडिया रन' को रजिस्ट्रार ने दिखाई हरी झंडी

गोहाना मुद्रिका , 29 अगस्त : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (बी.पी.एस.एम.वी.) में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' का शुक्रवार को आयोजन किया गया। मुख्य परिसर में यह दौड़ दोपहर भगत फूल सिंह की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया ।प्रो. यादव ने कहा कि यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है। एन.सी.ओ.आर.डी. के प्रतिनिधियों प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका ने कहा कि नशा मुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा शक्ति जागरूकता की मशाल अपने हाथों में लेगी।

राखीगढ़ी की पुरातात्विक सामग्री पर कार्यशाला प्रारंभ

गोहाना मुद्रिका , 29 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में शुक्रवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हो गया। कार्यशाला का विषय "राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्री: मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण" है।

कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने की। कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती है। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है।

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आर.सी. ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है, कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है।

डॉ अर्चना मलिक ने बताया कि कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।कार्यशाला में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग है।

पंजाब केसरी
SAT,30 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

'ड्रग-फ्री इंडिया रन' को रजिस्ट्रार ने दिखाई हरी झंडी

दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए प्रो. शिवालिक यादव। (अरोड़ा)

गोहाना, 29 अगस्त (अरोड़ा): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (बी.पी.एस.एम.वी.) में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' का शुक्रवार को आयोजन किया गया।

मुख्य परिसर में यह दौड़ दोपहर भगत फूल सिंह की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। प्रो. यादव ने कहा कि यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी सांझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है।

एन.सी.ओ.आर.डी. के प्रतिनिधियों प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका ने कहा कि नशा मुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा शक्ति जागरूकता की मशाल अपने हाथों में लेगी।

इस अवसर पर बी.पी.एस.एम.वी. ने शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व को जोड़ते हुए यह संदेश दिया कि सामूहिक संकल्प ही समाज को नशामुक्त बना सकता है। इस दौड़ में सभी विभागों की छात्राएं शामिल रहीं।

पंजाब केसरी
SAT,30 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्री पर कार्यशाला प्रारंभ

कार्यशाला में भाग लेते हुए छात्राएं और प्राध्यापक। (अरोड़ा)

गोहाना, 29 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में शुक्रवार को 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हो गया। कार्यशाला का विषय 'राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्री: मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण' है।

कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने की। कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र में वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती है। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है।

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आर.सी. ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है, कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है।

डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। कार्यशाला में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग है।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाता है ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में शुक्रवार से तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ हो गया। कार्यशाला का विषय राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्रीः मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण है। कार्यशाला की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक कर रही हैं।

शुभारम्भ सत्र में अपने संदेश में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि ऐसी कार्यशाला छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़ती हैं। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। कार्यशाला में मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आरसी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी।

इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक को समझा। कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व की गहन समझ प्रदान करने के साथ-साथ शोध और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित किया जाएगा। मंच संचालन आशु सोमया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शीतल ने प्रस्तुत किया। इस आयोजन में एशियाटिक सोसायटी ऑफ सोशल साइंस का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक गण डॉ. सुमेर सिंह, डॉ. मोनिका सहित विभाग की सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

गोहाना। मुख्य वक्ता प्रो. आरसी ठाकरान का स्वागत करते विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक। फोटो : हरिभूमि

देश को नशा मुक्त बनाना सबकी जिम्मेदारी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) में शुक्रवार को नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' का आयोजन किया गया। यह दौड़ विवि परिसर में भगत फूल सिंह की प्रतिमा से प्रारंभ हुई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो. शिवालिक यादव ने कहा कि देश को नशा मुक्त बनाना हम सब की जिम्मेदारी है। यह दौड़ नशामुक्त समाज निर्माण के लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों का उत्साह वास्तव में प्रेरणादायी है और हम सभी इस मिशन को आगे भी पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएंगे। अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने अपने संदेश में कहा कि 'ड्रग-फ्री इंडिया रन' केवल एक प्रतीकात्मक गतिविधि नहीं अपितु स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है। विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी हमारी साझा प्रतिबद्धता को और प्रबल बनाती है।

ड्रग फ्री इंडिया रन को हरी झंडी दिखा कर रवाना करते प्रो. शिवालिक यादव।

छात्राओं ने दौड़ लगा दिया नशा मुक्ति का संदेश

गोहाना | बीपीएस महिला विवि में शुक्रवार को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नार्को समन्वय केंद्र द्वारा ड्रग-फ्री इंडिया रन का आयोजन किया गया। दौड़ को विवि के रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कहा कि यह दौड़ नशा मुक्त समाज निर्माण के लिए विवि की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छात्राओं ने दौड़ लगाकर नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। इस मौके पर प्रो. मंजू पंवार व डॉ. कृतिका भी मौजूद रहीं।

छात्राओं को दी पुरातात्विक अवशेषों की जानकारी

गोहाना। बीपीएस महिला विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में शुक्रवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने किया। उन्होंने कहा कि राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है। मुख्य वक्ता एवं दिल्ली विवि से प्रो. आरसी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। महिला विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्ष डॉ. अर्चना मलिक ने बताया कि कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक को समझा। आगामी दो दिनों प्रतिभागियों को प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व की गहन समझ प्रदान करने के साथ-साथ शोध और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित किया जाएगा। इस मौके पर आशु सोमया, डॉ. शीतल, डॉ. सुमेर सिंह, डॉ. मोनिका आदि मौजूद रहे।

प्राचीन सभ्यता हमें जड़ों से जोड़े रखती हैं : प्रो. सुदेश

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

जागरण संवाददाता, गोहाना : शुक्रवार को भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का विषय राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक सामग्री : मिट्टी के बर्तन एवं पत्थर के औजारों का निर्माण एवं अन्वेषण है। शुभारंभ सत्र में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि प्राचीन सभ्यता हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। ऐसी कार्यशालाओं से छात्राओं और शोधार्थियों को प्राचीन भारतीय सभ्यता की जड़ों से जोड़े रखने में मदद मिलती है। राखीगढ़ी जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अध्ययन न केवल हमारे अतीत की झलक देता है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है।

मुख्य वक्ता प्रो. आरसी ठाकरान का स्वागत करते विभागाध्यक्ष डा. अर्चना मलिक •

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो. आरसी ठाकरान ने कहा कि राखीगढ़ी में प्राप्त मिट्टी के बर्तनों और पत्थर के औजारों का वैज्ञानिक अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि सिंधु घाटी सभ्यता किस प्रकार उन्नत तकनीकों से परिचित थी। इन अवशेषों से प्राचीन समाज की जीवन शैली, कला, शिल्प एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी मिलती है। कार्यशाला की अध्यक्षता डा. अर्चना मलिक ने की। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में आंध्र प्रदेश, पंजाब, असम और तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने राखीगढ़ी में प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिकता एवं निर्माण तकनीक को समझा। इस मौके पर आशु सौमया, डा. शीतल, डा. सुमेर सिंह, डा. मोनिका रहे।